

F.No. IWT-11011/123/2015-IWT
Government of India
Ministry of Ports, Shipping & Waterways
(IWT Section)

Transport Bhawan
1, Parliament Street, New Delhi
Dated the 25th February, 2022

OFFICE MEMORANDUM

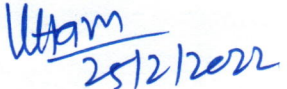
Subject: - Uploading on the website on Ministry of Ports, Shipping & Waterways the draft subordinate rules to be framed under delegated legislation of Inland Vessels Act, 2021 – reg.

Please upload the following draft subordinate rule (sent through email) to be framed under delegated legislation of Inland Vessels Act, 2021 on the website of MoPSW for inviting objections/suggestions on these rules:

Draft Inland Vessels [Survey and Certification] Rules, 2022

2. Notice Board/What's New webpage will contain following content:

- The Draft Inland Vessels (Survey and Certification] Rules) Rules 2022, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 106 of the Inland Vessels Act, 2021 (24 of 2021), are hereby published for information of all the persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of thirty days.
- Objections or suggestions, if any, to the above draft rules may be addressed to the Director (IWT), Ministry of Ports, shipping & Waterways, Room No. 439, Transport Bhawan, 1-Parliament Street, New Delhi- 110001 or by email at abhay.sarode@gov.in and uttam.mishra27@gov.in."


(Uttam Kumar Mishra)
Under Secretary (IWT)
Tel: 23357558

Director, NIC
Ministry of Ports, Shipping & Waterways
Transport Bhawan,
New Delhi- 110001.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24022022-233722
CG-DL-E-24022022-233722

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 147]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 2022/फाल्गुन 4, 1943

No. 147]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 23, 2022/PHALGUNA 4, 1943

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2022

सा.का.नि. 150(अ).—अंतर्देशीय जलयान [सर्वेक्षण और प्रमाणन] नियम 2022 का मसौदा, जिसे केंद्र सरकार 2021 के अंतर्देशीय जलयान अधिनियम (2021 का 24) के धारा 106 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, इसके द्वारा प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त मसौदे पर उस तारीख से तीस दिनों के बाद विचार किया जाएगा जिस तारीख को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं;

इन मसौदा नियमों पर आपत्तियां या सुझाव, यदि कोई हों, निदेशक (आईडब्ल्यूटी), पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, कमरा नंबर 439, परिवहन भवन, 1-संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को या abhay.sarode@gov.in और uttam.mishra27@gov.in ईमेल द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां, जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर संबोधित किया जा सकता है;

कथित मसौदा नियमों के संबंध में किसी भी व्यक्ति से विनिदष्ट अवधि के भीतर प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंतर्देशीय जलयान (सर्वेक्षण और प्रमाणन)नियम 2022 है
- (2) ये राजपत्र में अपने अंतिम प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. परिभाषाएं:

- (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -

(क) "अधिनियम" से अंतर्देशीय जलयान (अधिनियम), (2021) (2021 का24) अभिप्रेत है।

(ख) "अंतर्देशीय जलयान" का अर्थ है किसी भी यांत्रिक रूप से चालित अंतर्देशीय जलयान जैसा कि अधिनियम की धारा 3 (वाई) के तहत परिभाषित किया गया है।

- (2) "वर्तमानजलयान" या "वर्तमान अंतर्देशीय जलयान" का अभिप्रेत है कोई भी अंतर्देशीय जलयान जो कोई नया अंतर्देशीय जलयान नहीं है जो नियम 3 के उप-नियम (3) के अंतर्गत प्रदान की गई परिभाषा की अधिकारिता के अधीन आता है।

- (3) "नया अंतर्देशीय जलयान" का अर्थ है कोई भी अंतर्देशीय जलयान जिसकी कील रखी गई है या जो नियमों के लागू होने की तारीख को या उसके बाद निर्माण के समान चरण में है।

- (4) "प्रमुख परिवर्तन अथवा आशोधन" से निम्नलिखित में से कोई अभिप्रेत है;

क) जलयान के सकल टन भार में 10 प्रतिशत से अधिक परिवर्तन

ख) जलयान के प्रकार का परिवर्तन

ग) प्रणोदन प्रणाली/मुख्य इंजनों/ईंधन के प्रकार में परिवर्तन

- (2) प्रयुक्त शब्दों और अभिव्यक्तियों, जो इन नियमों में परिभाषित नहीं की गई हैं, का वही अर्थ होगा जो उन्हें अधिनियम में विनिर्दिष्ट किया गया है।

3. परिचालन के क्षेत्र

- (1) राज्य सरकार अधिकतम महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई मानदंड के आधार पर अंतर्देशीय जल क्षेत्रों को क्षेत्र1, क्षेत्र2 और क्षेत्र3 के रूप में वर्गीकृत कर सकती है, जैसा कि नीचे निर्धारित किया गया है।

- (2) इसलिए जलयानों का सबसे कठिन क्षेत्र में सेवा के लिए डिजाइन, निर्माण और रखरखाव किया जाएगा, जिसमें परिचालित करने का वह इरादा रखता है।

(i) क्षेत्र1 का अभिप्रेत है एक ऐसा क्षेत्र (क्षेत्र2 या क्षेत्र3 के अलावा) जहां अधिकतम महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई 2.0 मीटर से अधिक नहीं है।

(ii) क्षेत्र 2 का अभिप्रेत है एक ऐसा क्षेत्र (क्षेत्र 3 के अलावा) जहां अधिकतम महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई 1.2 मीटर से अधिक नहीं है।

(iii) क्षेत्र3 का अभिप्रेत है ऐसा क्षेत्र जहां अधिकतम महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई 0.6 मीटर से अधिक नहीं है।

4. सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र

- (1) अधिनियम के दायरे के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र और प्रासंगिक प्रपत्रों के प्रारूप इन नियमों के परिशिष्ट I के अनुसार होंगे।

- (2) सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र में यह निर्दिष्ट किया जाएगा कि अंतर्देशीय जलयानपरिचालन के किसी विशेष क्षेत्र के लिए उपयुक्त है।

- (3) एक यांत्रिक रूप से चालित अंतर्देशीय जलयान किसी भी यात्रा पर आगे नहीं बढ़ेगा या किसी सेवा के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके पास सेवा के प्रकार और परिचालन के लिए इच्छित क्षेत्र के लिए सर्वेक्षण का वैध प्रमाणपत्र न हो।
- (4) सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र इन नियमों में निर्दिष्ट आवधिक सर्वेक्षणों को पूरा करने सहित निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किसी भी शर्त के अधीन 5 वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेगा।
- (5) निर्दिष्ट प्राधिकारी के जलयान के सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र समाप्त होने और यथासंभव शीघ्र नवीनीकरण किए जाने की तारीख के बीच के अंतराल के दौरान यांत्रिक रूप से चालित जलयान को यात्रा पर आगे बढ़ने की अनुमति दे सकता है।

5. रिकॉर्ड किए जाने वाले डिजाइन, निर्माण, संशोधन या परिवर्तन के अनुपालन का प्रमाणन।

- (1) अभिहितप्राधिकरण या अधिकृत व्यक्ति यह सुनिश्चित करेंगे कि अंतर्देशीय जलयान, जो अंतर्देशीय जलयान (डिजाइन और निर्माण) नियम 2022 द्वारा शासित हैं, उक्त नियमों के अनुपालन में हैं।
- (2) अभिहितप्राधिकरण या अधिकृत व्यक्ति यह सुनिश्चित करेंगे कि अंतर्देशीय जलयान, जो अधिनियम से पहले अंतर्देशीय जल में निर्मित और नियोजित हैं, अधिनियम से पहले प्रचलित कानूनों और मानकों के अनुपालन में हैं: बशर्ते कि अभिहितप्राधिकारी या अधिकृत व्यक्ति यह सुनिश्चित करें कि मौजूदा जलयान जो बड़े परिवर्तन या आशोधन से गुजर चुके हैं, अंतर्देशीय जलयान (डिजाइन और निर्माण) नियम, 2022 का अनुपालन करते हैं, जहां तक इसे अभिहितप्राधिकारी द्वारा उचित और व्यावहारिक माना जाता है।
- (3) वर्तमान नियम के उप-नियम (1) और उप-नियम (2) के अधीन, संबंधित राज्य सरकार के अभिहितप्राधिकारी या अधिकृत व्यक्ति निर्माण, डिजाइन, संशोधन या परिवर्तन, जैसा भी मामला हो, सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र अधिनियम के अंतर्गत जारी किए गए में और इन नियमों के अनुसार अनुपालन के संबंध में प्रमाणीकरण को रिकॉर्ड करेंगे।
- (4) एक जलयान का सर्वेक्षण उस राज्य के अभिहितप्राधिकारी के सर्वेक्षक द्वारा किया जा सकता है जिसमें वह परिचालन कर रहा है, हालांकि इसे कहीं और पंजीकृत किया जा सकता है।

6. अंतर्देशीय जलयान:

इन नियमों के प्रयोजन के लिए अंतर्देशीय जलयानों को निम्नलिखित श्रेणियों के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा:

- (1) जो जलयान श्रेणी क में आते हैं, वे निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार के डेकनुमा जलयान होंगे:

(क) जलयान जो [लम्बाई में 24 मीटर] से अधिक हैं;

(ख) जलयान अथवा रो-रो यात्री फेरी जो [50] से अधिक यात्री ले जाते हैं;

(ग) खींच कर ले जाने के लिए सज्जित सभी जलयान, जिनकी बोलाई पुल क्षमता [10 टन] से अधिक है;

(घ) कार्गो के रूप में थोक में पेट्रोलियम माल, रसायन अथवा तरलीकृत गैसों को वहन करने के लिए डिजाइन और निर्माण किए गए जलयान;

(ङ) अधिनियम में परिभाषित के अनुसार खतरनाक सामान का वहन करनेवाले जलयान।

श्रेणी क जलयानों को सर्वेक्षण के अंतर्गत और किसी वर्गीकरण सोसाइटी, जो अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण सोसाइटी संघ (आईएसीएस) की सदस्य है, की अपेक्षाओं के अनुसार डिजाइन, निर्मित और अनुरक्षित किया जाएगा,

- (2) श्रेणी 'ख' के जलयान श्रेणी क अथवा श्रेणी ग से भिन्न हैं।

श्रेणी ख के जलयानों को किसी वर्गीकरण सोसाइटी, जो अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण सोसाइटी संघ (आईएसीएस) की सदस्य है, के सर्वेक्षण के अंतर्गत डिजाइन, निर्मित और अनुरक्षित किया जाएगा, किसी वर्गीकरण सोसाइटी के सर्वेक्षण के अंतर्गत

डिजाइन और निर्मित जो कि अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण सोसाइटी संघ (आईएसीएस) की सदस्य है और जो अभिहित प्राधिकारी के सर्वेक्षण के अंतर्गत अनुरक्षित किया जाएगा,

(3) श्रेणी 'ग' जलयान लंबाई में 10 मीटर से कम हैं।

श्रेणी ग जलयानों को किसी वर्गीकरण सोसाइटी, जो अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण सोसाइटी संघ (आईएसीएस) की सदस्य है, के सर्वेक्षण के अंतर्गत डिजाइन, निर्मित और अनुरक्षित किया जाएगा अथवा अभिहित प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त समझे गए डिजाइन, निर्माण और सर्वेक्षण के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार निर्मित किया जाएगा और अभिहित प्राधिकारी के सर्वेक्षण के अंतर्गत अनुरक्षित किया जाएगा।

7. सर्वेक्षण अनुशंसाओं पर कार्रवाई

(1) जब अभिहित प्राधिकारी यह निर्धारित करता है कि जलयान या उसके उपकरण की स्थिति प्रमाणपत्र के ब्यौरों के साथ पर्याप्त रूप से मेल नहीं खाती है या कि जलयान, जलयानया उसमें सवार व्यक्तियों को खतरे के डाले बिना सेवा में नियुक्त करने के लिए उपयुक्त नहीं है, तो यह सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

(2) उप-नियम (1) में निर्धारित स्थिति में, अभिहित प्राधिकारी दोष या कमी की प्रकृति के आधार पर जलयान को सेवा में रखने की अनुमति दे सकता है, बशर्ते कि एक निर्धारित अवधि के भीतर स्वामी या प्रबंधक द्वारा सर्वेक्षण के दौरान निर्धारित सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

8. सर्वेक्षण के प्रकार

(1) संरचना, मशीनें, जीवन रक्षक उपकरण, रेडियो संस्थापन, अग्निशमन और अन्य उपकरण नीचे निर्दिष्ट सर्वेक्षणों के अधीन होंगे:

- जलयान को सेवा में रखने से पहले एक प्रारंभिक सर्वेक्षण।
- सर्वेक्षण के अंतर्देशीय जलयान प्रमाणपत्र की प्रत्येक वर्षगांठ की तारीख से पहले या बाद में तीन महीने के भीतर एक वार्षिक सर्वेक्षण।
- अंतर्देशीय जलयान सुरक्षा प्रमाणपत्र की वैधता की पांच वर्ष की अवधि के दौरान किए गए जलयान के तल के बाहर के कम से कम दो निरीक्षण, बशर्ते कि ऐसे किन्हीं दो निरीक्षणों के बीच का अंतराल छत्तीस महीने से अधिक न हो।
- नवीनीकरण सर्वेक्षण पांच वर्ष से अधिक के अंतराल पर नहीं हो।
- एक अतिरिक्त सर्वेक्षण, जो या तो सामान्य या परिस्थितियों के अनुसार आंशिक एक निरीक्षण है, इसे जांच के परिणामस्वरूप मरम्मत के बाद या जब भी कोई महत्वपूर्ण मरम्मत या नवीनीकरण किया जाता है, किया जाना है।

(2) उप-नियम (1) में उल्लिखित सर्वेक्षणों में निम्नलिखित शामिल होंगे।

- इस उप-नियम के खंड (ख), (ग) और (घ) में शामिल के अलावा संरचना, मशीनरी और उपकरण;
- अग्नि सुरक्षा प्रणाली और उपकरण, जीवन रक्षक उपकरण और व्यवस्थाएं, जलयान जनित नौवहन उपकरण, यदि लागू हो तो पायलटों के लिए आरोहण के साधन, और अन्य उपकरण;
- सुरक्षा उपकरण योजनाएं, समुद्री प्रकाशन, रोशनी, आकार, ध्वनि संकेत और आपदा संकेत बनाने के साधन; तथा
- जलयान के रेडियो इंस्टॉलेशन।

9. प्रारंभिक सर्वेक्षण:

(1) प्रारंभिक सर्वेक्षण में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- पूर्ण निरीक्षण, और जहां आवश्यक हो, उप-नियम (2) से नियम 9 में निर्दिष्ट मदों का परीक्षण, यह सुनिश्चित करने के लिए कि संरचना, बॉयलर और अन्य दबाव वाहिकाओं की व्यवस्था, सामग्री, स्कैनलिंग और कारीगरी, उनके

उपकरण, स्टीयरिंग गियर और संबंधित नियंत्रण प्रणाली, विद्युत स्थापनाओं व अन्य उपकरणों सहित मुख्य और सहायक मशीनरी प्रासंगिक आवश्यकताओं का अनुपालन करती हैं, और संतोषजनक स्थिति में हैं और उस सेवा के लिए उपयुक्त हैं जिसके लिए जलयान आशयित है।

(ख) निम्नलिखित मदों का सत्यापन:

- i) जलयान पर फ्रीबोर्ड के निशान और ड्राफ्ट के निशान का सत्यापन।
- ii) जलयान के स्वीकृत टन भार की गणना का सत्यापन।
- iii) अनुमोदित सुरक्षा उपकरण योजना का सत्यापन।
- iv) जलयान के अनुमोदित स्थिरता विवरण और लदान नियमावली (यदि लागू हो) का सत्यापन।

(2) विद्यमान जलयानों के लिए, इन नियमों के अंतर्गत सर्वेक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से पहले बारह महीनों के भीतर जलयान के तल के बाहर का निरीक्षण किया जाएगा।

10. वार्षिक सर्वेक्षण:

(1) जलयान के वार्षिक सर्वेक्षण में यह पुष्टि करने के लिए कि वे संतोषजनक स्थिति में हैं और उस सेवा के लिए उपयुक्त हैं जिसके लिए जलयान आशयित है, उप-नियम (2) से नियम 9 में निर्दिष्ट वस्तुओं का एक सामान्य निरीक्षण शामिल होगा।

(2) वार्षिक सर्वेक्षण के समय सर्वेक्षक निम्नलिखित की कुशल स्थिति के संबंध में स्वयं को संतुष्ट करेगा:

(a) फ्रीबोर्ड और सुपरस्ट्रक्चर डेक पर हैचवे, वेंटिलेटर और एयर पाइप कोमिंग, एक्सपोज्ड केसिंग, स्काईलाइट्स, डेकहाउस और कंपेनियनवेज, सुपरस्ट्रक्चर बल्कहेड्स, साइड स्कटल्स और डेडलाइट्स, सभी बंद उपकरणों के साथ।

(ख) स्टील हैच कवर की मौसम की जकड़न सुनिश्चित करने के साधन।

(ग) वाल्व के साथ स्कूपर और सैनिटरी डिस्चार्ज;

(घ) गार्ड रेल और बुलवार्क;

(ङ) बंदरगाहों, गैंगवे और जीवन रेखा को मुक्त करना;

(च) फ्रीबोर्ड के निशान;

(छ) मशीनें और स्टीयरिंग यंत्रों का सामान्य परीक्षण;

(ज) वेंट पाइपिंग।

(झ) अग्निशमन उपकरण

(ञ) जीवन रक्षक उपकरण

11. नवीनीकरण सर्वेक्षणों के बीच मध्यवर्ती डॉकिंग सर्वेक्षण:

(1) समुद्री बंदरगाहों और 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के अन्य जलयानों में चलने वाले जलयानों की जांच ड्राईडॉक या स्लिपवे में की जाएगी:

तथापि, 20 वर्ष से कम आयु के जलयानों और समुद्री बंदरगाहों में परिचालन के लिए जल सर्वेक्षण की स्वीकृति पर विचार किया जा सकता है।

तथापि, संतोषजनक आंतरिक जांच के अधीन 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के जलयानों और बंदरगाहों में परिचालन नहीं करने वाले जलयानों के लिए इस आवश्यकता से छूट पर भी विचार किया जा सकता है।

12. नवीनीकरण सर्वेक्षण:

- (1) नवीनीकरण सर्वेक्षण में उप-नियम (2) से नियम 9 में उल्लिखित संरचना, मशीनों और उपकरण का परीक्षण, जब आवश्यक हो, परीक्षणों के साथ होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र से संबंधित आवश्यकताओं का अनुपालन किया जाता है, और यह कि वे संतोषजनक स्थिति में हैं और उस सेवा के लिए उपयुक्त हैं जिसके लिए जलयान आशयित है।
- (2) नवीनीकरण सर्वेक्षण में एक जाँच भी शामिल होगी कि सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र से संबंधित आवश्यकताओं में निर्दिष्ट सभी प्रमाणपत्र, रिकॉर्ड बुक, परिचालन नियमावली और अन्य निर्देश और दस्तावेज जलयान पर हैं।
- (3) नवीनीकरण सर्वेक्षण के प्रयोजनों के लिए, नवीनीकरण सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में ड्राईडॉक या स्लिपवे में पानी के नीचे के हिस्सों की जांच की जाएगी।
- (4) इसके अतिरिक्त, प्रणोदकतख्ते को हटाकर निरीक्षण किया जाएगा, और सर्वेक्षक नवीनीकरण सर्वेक्षण द्वारासंतुष्टिकरेगा कि प्रोपेलर शाफ्ट सहित स्टर्न गियर अच्छी स्थिति में है और कवर की गई पांच वर्ष की अवधि के लिए सेवा योग्य स्थिति में रहेगा।
- (5) अन्य प्रणोदन प्रकारों के मामले में, सर्वेक्षक यह आकलन करेगा कि रखरखाव या सर्विसिंग की आवश्यकता है या नहीं, किसी भी मामले में निर्माता की सलाह का पालन किया जाएगा।
- (6) प्रकाश विस्थापन और गुरुत्वाकर्षण के अनुदैर्ध्य केंद्र में किसी भी परिवर्तन को सत्यापित करने के लिए सभी यात्री जलयानों को नवीनीकरण सर्वेक्षण में हल्के सर्वेक्षण के अधीन किया जाएगा। जब भी स्वीकृत स्थिरता जानकारी की तुलना में, प्रकाश विस्थापन से 2 प्रतिशत से अधिक विचलन या गुरुत्वाकर्षण के अनुदैर्ध्य केंद्र से 1 प्रतिशत से अधिक विचलन पाया जाता है, जलयान को फिर से झुकाया जाना चाहिए।

13. अतिरिक्त सर्वेक्षण:

- (1) जब भी किसी जलयान के साथ कोई दुर्घटना होती है या कोई दोष पाया जाता है जो जलयान की सुरक्षा या अखंडता या उसके उपकरण की दक्षता या पूर्णता को प्रभावित करता है, तो मास्टर या स्वामी को यथाशीघ्र अभिहित प्राधिकारी को एक सूचना देनी चाहिए।
- (2) उसके पश्चात अभिहित प्राधिकारी को यह निर्धारित करने के लिए एक जांच शुरू करनी चाहिए कि क्या विशेष प्रमाणपत्र पर लागू नियमों द्वारा एक सर्वेक्षण आवश्यक है।
- (3) यह अतिरिक्त सर्वेक्षण, जो परिस्थितियों के अनुसार सामान्य या आंशिक हो सकता है, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि मरम्मत और कोई नवीनीकरण प्रभावी ढंग से किया गया है और यह कि जलयान और उसके उपकरण उस सेवा के लिए उपयुक्त हैं जिसके लिए जलयान आशयित है।

14. सर्वेक्षण के बाद स्थितियों का अनुरक्षण

प्रत्येक अंतर्देशीय जलयानका स्वामी या मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि:

- (1) जलयान और उसके उपकरणों की स्थिति को सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र के उपबंधों के अनुरूप बनाए रखा जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जलयान हर तरह से, जलयान पर मौजूद व्यक्तियों या पर्यावरण के लिए खतरे के बिना परिचालित करने के लिए उपयुक्त रहेगा;
- (2) जलयान के किसी भी सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद, अभिहित प्राधिकारी या उसकी ओर से कार्य करने वाले किसी मान्यता प्राप्त संगठन के अनुमोदन के बिना संरचनात्मक व्यवस्था, मशीनें, उपकरण और सर्वेक्षण में शामिल अन्य मदों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया जाएगा; तथा
- (3) जब भी जलयान में कोई दुर्घटना होती है या कोई दोष पाया जाता है, जिसमें से कोई भी जलयान की सुरक्षा या उसके जीवन रक्षक उपकरणों या अन्य उपकरणों की दक्षता या पूर्णता को प्रभावित करता है, तो तत्काल अभिहित प्राधिकारी से अथवा उसकी ओर से कार्य करने वाले एक मान्यता प्राप्त संगठन से एक सर्वेक्षण के लिए अनुरोध किया जाना चाहिए।

15. प्रमाणपत्र जारी करना या उसकी पुष्टि

- (1) एक प्रारंभिक या नवीनीकरण सर्वेक्षण के बाद, सर्वेक्षक तत्कालप्रपत्र2 में निर्धारित प्रपत्र में यह निर्दिष्ट करते हुए आवेदक को एक घोषणा जारी करेगा कि एक जलयान प्रासंगिक आवश्यकताओं और इन नियमों और अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन करता है।
- (2) राज्य सरकार या उसके द्वारा मान्यता प्राप्त प्राधिकरण, यदि संतुष्ट हो कि उपरोक्त उप-नियम (1) के अंतर्गत प्रस्तुत घोषणा के संबंध में इस अधिनियम के सभी उपबंधों का अनुपालन किया गया है, और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क के भुगतान की प्राप्ति पर उनके द्वारा सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र (परिशिष्ट-1 देखें) जारी किया जाएगा।
- (3) उपरोक्त उप-नियम (1) में उपबंधित प्रमाणपत्र उपकरण और जलयान सूचना के एक रिकॉर्ड द्वारा पूरित होगा (अनुबंध 1 से प्रपत्र2 देखें) जो स्थायी रूप से संलग्न रहेगा।
- (4) उपरोक्त उप-नियम (2) के होते हुए भी, वह सर्वेक्षणकर्ता जिसने सर्वेक्षण किया और उपरोक्त उप-नियम (1) में निर्दिष्ट घोषणा जारी की, एक आवेदन के आधार पर प्रपत्र 3 पर सर्वेक्षण का एक अनंतिम प्रमाणपत्र प्रदान कर सकता है, जो साठ दिनों से अनाधिक अवधि के लिए वैध होगा या, पृष्ठांकन द्वारा, सर्वेक्षण के प्रचलित प्रमाणपत्र की वैधता को साठ दिनों से अनाधिक अवधि के लिए बढ़ा देगा।
- (5) यांत्रिक रूप से चालित कोई भी अंतर्देशीय जलयान, जिसे ऊपर उप-नियम (4) में वर्णित सर्वेक्षण या समर्थन का अनंतिम प्रमाणपत्र जारी किया गया है, सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र जारी होने तक समय-समय पर परिपत्रों, आदेशों या निर्देशों के माध्यम से अभिहित प्राधिकारी द्वारा जारी की जा सकने वाली शर्तों के अधीन, यात्रा या सेवा में उपयोग के लिए, अस्थायी रूप से आगे बढ़ सकता है।

16. प्रमाणपत्रों की अवधि और वैधता

- (1) सर्वेक्षण का प्रमाणपत्रजिस अवधि के लिए जारी किया जाएगा वह पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी, बशर्ते कि वार्षिक पूरा करने के लिए पृष्ठांकन किए जा रहे हों।
- (2) जब नवीनीकरण सर्वेक्षण, वर्तमानप्रमाणपत्र की समाप्ति तिथि से तीन महीने के भीतर पूरा हो जाता है, तो नया प्रमाणपत्र नवीनीकरण सर्वेक्षण के पूरा होने की तारीख से वर्तमानप्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष तक वैध होगा।
- (3) जब नवीकरण सर्वेक्षण वर्तमान प्रमाणपत्र की समाप्ति तिथि के तीन महीने से अधिक समय के भीतर नहीं पूरा किया जाता है, तो नया प्रमाणपत्र नवीनीकरण सर्वेक्षण के पूरा होने की तारीख से वर्तमान प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष से अनधिक अवधि तक वैध होगा।
- (4) जब नवीनीकरण सर्वेक्षण वर्तमान प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख से तीन महीने पहले या बाद में पूरा होता है, तो नया प्रमाणपत्रनवीनीकरण सर्वेक्षण के समापन की तारीख से पांच वर्ष से अधिक की तारीख तक वैध नहीं होगा।
- (5) जहां नवीकरण सर्वेक्षण पूरा हो गया है और वर्तमान प्रमाणपत्रकी समाप्ति तिथि से पहले अंतर्देशीय जलयानपर नया प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जा सकता अथवा रखा नहीं जा सकता है, अभिहितप्राधिकारी या उसकी ओर से कार्य करने वाला एक मान्यता प्राप्त संगठन वर्तमान प्रमाणपत्रकीपुष्टि करेगा और इस तरह के एक प्रमाणपत्र को एक अन्य अवधि के लिए वैध माना जाएगा, जो समापन की तारीख से साठ दिनों से अधिक की नहीं होगी।
- (6) जहां एक जलयानके प्रमाणपत्र की समय सीमा उस समय समाप्त हो जाती है, जब वह सर्वेक्षण की स्थिति में नहीं है, अभिहित प्राधिकारी परिस्थितियों पर विचार करते हुए प्रमाणपत्र की वैधता की अवधि को 3 महीने से अनधिक वधि के लिए बढ़ा सकता है।
- (7) ड्राई-डॉकिंग सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण असाधारण परिस्थितियों के मामले में, राज्य सरकार प्रमाणपत्र को 6 महीने से अनधिक अवधि के लिए विस्तारित करने पर विचार कर सकती है।
- (8) उपरोक्त उप-नियम (5) के अंतर्गत जारी किया गया प्रमाणपत्र निम्नलिखित में से किसी भी स्थिति में वैध नहीं होगा:

- (a) जहां प्रासंगिक सर्वेक्षण और निरीक्षण इन नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट अवधि के भीतर पूरा नहीं किया जाता है; या
- (b) जहां प्रमाणपत्र इन नियमों की आवश्यकताओं के अनुसार पृष्ठांकित नहीं है; या
- (c) जहां जलयानपंजीकरण से वापस ले लिया गया है।

17. प्रमाणपत्रों के लिए प्रपत्र

प्रमाणपत्र और उपकरण और जानकारी का रिकॉर्ड इन नियमों के परिशिष्ट में दिए गए नमूने के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

18. प्रमाणपत्रों की उपलब्धता

नियम 16 के अंतर्गत जारी प्रमाणपत्रजांच के लिए सदैव जलयान पर आसानी से उपलब्ध होंगे।

19. सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र की अवधि

इन नियमों के उपबंधों के अंतर्गत जारी किया गया कोई भी सर्वेक्षण प्रमाणपत्र अधिनियम के अध्याय IV में निहित सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र की शर्तों के अधीन होगा।

20. नाम का परिवर्तन

- (1) जहां एक ऐसे जलयान के नाम में परिवर्तन आवश्यक है, जिसके संबंध में अधिनियम के अंतर्गत सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था, जलयान का स्वामी या मास्टर सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र में दर्ज जलयान के नाम में परिवर्तन के लिए एक आवेदन के साथ सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र उस प्राधिकारी को अग्रेषित करेगा, जिसने प्रमाणपत्र जारी किया था।
- (2) उप-नियम (1) के अंतर्गत उपबंधित आवेदन प्रपत्र संख्या 9 में होगा और उसमें आवश्यक विवरण शामिल होंगे।
- (3) अभिहित प्राधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी, स्वयं या किसी अन्य अधिकारी के माध्यम से उचित जांच के बाद इस बात की संतुष्टि करेगा कि नया नाम किसी अन्य जलयान को आवंटित नहीं किया गया है और सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र में आवश्यक परिवर्तन का उचित कारण है, जो उसके बाद बदले हुए नाम को जलयान पर तराशने/चिह्नित करने की उचित प्रक्रिया के बाद और पंजीकरण प्रमाणपत्र और पंजीकरण की पुस्तक में पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा किए गए उचित परिवर्तनों के बाद स्वामी को वापस कर दिया जाएगा।

21. अंतर्देशीय जलयान काराज्य द्वारा निरीक्षण

- (1) किसी अन्य राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र के अंदर एक बंदरगाह (अंतर्देशीय बंदरगाह या प्रमुख/लघु तटीय बंदरगाहों) में प्रत्येक जलयान का सत्यापन करने के लिए निरीक्षण के उद्देश्य के लिए अभिहित अधिकारी या ऐसी सरकार द्वारा विधिवत अधिकृत अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि इन नियमों के अंतर्गत जारी प्रमाणपत्र वैध हैं। राष्ट्रीय जलमार्ग में होने पर आईडब्ल्यूआई के नियमों के अनुसार आईडब्ल्यूआई के अधिकारियों द्वारा भी किसी जलयान का सर्वेक्षण किया जा सकता है। सामान्य रूप से बंदरगाहों या आईडब्ल्यूआई द्वारा ऐसा कोई निरीक्षण पिछले निरीक्षण की समाप्ति की तिथि के छह महीने के भीतर नहीं किया जाना चाहिए।
- (2) ऐसे प्रमाणपत्र, यदि वैध पाए जाते हैं, उन्हें तब तक स्वीकार किया जाएगा, जब तक कि यह मानने के लिए स्पष्ट आधार न हों कि जलयान या उसके उपकरण की स्थिति किसी भी प्रमाणपत्र के विवरण के साथ पर्याप्त रूप से मेल नहीं खाती है या जलयान सेवा के लिए उपयुक्त नहीं है।
- (3) ऊपर उप-नियम (2) में निर्दिष्ट परिस्थितियों में या जहां एक प्रमाणपत्र की समय सीमा समाप्त हो गई है या वह वैध नहीं रह गया है, निरीक्षण करने वाला अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा कि जलयान बंदरगाह को तब तक नहीं छोड़ेगा जब तक कि वह आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक वह अगले निर्दिष्ट बंदरगाह के लिए नहीं जा रहा हो, या जलयान या उस पर सवार व्यक्तियों के लिए बिना कोई खतरा उत्पन्न किए, एक उपयुक्त मरम्मत यार्ड तक जाने के उद्देश्य से बंदरगाह छोड़ दें।

22. आधिकारिक लॉग बुक

- (1) जलयान के मास्टर और इंजीनियर/चालक इन नियमों में निर्दिष्ट प्रपत्र संख्या 8 में एक आधिकारिक लॉग बुक रखेंगे और आवश्यकतानुसार उस लॉग बुक में ऐसी प्रविष्टियां करेंगे या करवाएंगे।
- (2) एक आधिकारिक लॉग बुक में अंतर्देशीय जलयानके मास्टर, इंजीनियर/चालक या प्रभारी अधिकारी द्वारा एक प्रविष्टि की जाएगी:
 - क) उस घटना के बाद जितनी जल्दी हो सके, जिससे वह संबंधित है; तथा
 - ख) घटना और उसके होने की तारीख और समय।
- (3) आधिकारिक लॉग बुक में मास्टर या प्रभारी अधिकारी द्वारा एक प्रविष्टि की जाएगी और अभिहित प्राधिकारी द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और निरीक्षण के परिणाम और की गई कार्रवाई, यदि कोई हो, को बताते हुए जलयान का कोई भी निरीक्षण किया जाएगा।
- (4) निर्धारित शुल्क के भुगतान पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आधिकारिक लॉग बुक की आपूर्ति की जाएगी।
- (5) आधिकारिक लॉग बुक पत्तन प्राधिकरण की संपत्ति है और इसे ठीक से बनाए रखा जाएगा।
- (6) आधिकारिक लॉग बुक जलयान के वार्षिक सर्वेक्षण के समय सत्यापन के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- (7) निरीक्षण करने वाला अधिकारी 'आधिकारिक लॉग बुक' में एक प्रविष्टि करेगा।

23. सर्वेक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हताएं:

अंतर्देशीय जलयानों के एक सर्वेक्षक के पास निम्नलिखित में से कोई भी अर्हता और अनुभव होना आवश्यक है:

- (a) मरीन/मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/नौसेना वास्तुकार जिसके पास न्यूनतम प्रथम/द्वितीय श्रेणी मोटर/स्टीम एमओटी प्रमाणपत्र हो, जिसे भारत सरकार के नौवहन महानिदेशक द्वारा जारी किया गया हो अथवा भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष प्रमाणपत्र और प्रथम प्रमाणपत्र के बादसमुद्र में जाने वाले नियमित जलयानों/वर्गीकरण समितियों/जलयान निर्माण यार्डों/प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नौवहन कंपनियों या राज्य बंदरगाह विभाग या राज्य समुद्री बोर्ड/डीजी/एमएमडी में 5 वर्ष का अनुभव हो।
- (b) मास्टर मेरिनर (एफजी) 2 वर्ष के नौकायन अनुभव या समुद्री प्रशिक्षण/समुद्री सर्वेक्षण में अनुभव के साथ शिपिंग के महानिदेशक, भारत सरकार द्वारा जारी मास्टर सर्टिफिकेट या समकक्ष अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद, अथवा
- (c) एमईओ श्रेणी III (एनसीवी-सीईओ) प्रमाणपत्र या मास्टर (एनसीवी) प्रमाणपत्र [नौवहन महानिदेशालय] द्वारा जारी किया गया है जिसमें न्यूनतम 10 वर्षों का नौकायन अनुभव है, जिसमें कम से कम 5 वर्ष का अनुभव मास्टर/मुख्य अभियंता की क्षमता में है, अथवा
- (d) अंतर्देशीय जलयान मास्टर श्रेणी I या अंतर्देशीय इंजीनियर प्रमाणपत्र जिसमें अंतर्देशीय जलयानों पर न्यूनतम 15 वर्ष की सेवा का अनुभव है, जिसमें से कम से कम 5 वर्ष का अनुभव मास्टर/मुख्य अभियंता की क्षमता में होना चाहिए, अथवा
- (e) नेवल आर्किटेक्चर में बेसिक डिग्री या/अथवा समुद्र में जाने वाले नियमित जलयानों/ वर्गीकरण समितियों/जलयान निर्माण यार्ड/प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शिपिंग निगमों या राज्य बंदरगाह विभाग में 7 वर्ष के अनुभव के साथ, अथवा
- (f) जलयान निर्माण में डिप्लोमा या/अथवा समुद्र में जाने वाले नियमित जलयानों/ वर्गीकरण समितियों/जलयान निर्माण यार्ड/प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शिपिंग निगमों या राज्य बंदरगाह विभाग में 15 वर्ष के अनुभव के साथ हो।

24. मुख्य सर्वेक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हता

- (1) किसी भी व्यक्ति को मुख्य सर्वेक्षक के रूप में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह निम्नलिखित में से किसी एक में उल्लिखित अर्हता और अनुभव की आवश्यकता को पूरा नहीं करता है:

क) मरीन इंजीनियरिंग/नेवल आर्किटेक्चर/मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और परिवहन मंत्रालय में एक डिग्री या समकक्ष, शिपिंग के महानिदेशक, भारत सरकार द्वारा जारी अर्हता का प्रथम श्रेणी प्रमाणपत्र या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष प्रमाणपत्र, अथवा

- ख) समुद्र में जाने वाले नियमित जलयानों/वर्गीकरण समितियों/जलयान निर्माण यार्ड/प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग निगमों या राज्य बंदरगाह विभाग में 10 वर्ष के अनुभव के साथ नौसेना वास्तुकला में एक बुनियादी डिग्री, अथवा
- ग) समुद्र में जाने वाले नियमित जलयानों/वर्गीकरण समितियों/जलयान निर्माण यार्ड/प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग निगमों या राज्य बंदरगाह विभाग में 20 वर्षों के अनुभव के साथ जलयान निर्माण में डिप्लोमा।

[फ़ा. सं. आईडब्लूटी-11011/91/2021-आईडब्लूटी]

सुनील कुमार सिंह, सलाहकार (सांख्यिकी)

परिशिष्ट-I

प्रपत्र

प्रपत्र सं.1

अंतर्देशीय जलयानका सर्वेक्षण करने के लिए आवेदन प्रपत्र

तारीख:

स्थान:

सेवा में

मुख्य सर्वेक्षक/सर्वेक्षण प्राधिकारी

..... बंदरगाह पर

अंतर्देशीय जलयानके सर्वेक्षण (प्रकार का संकेत करें) के लिए आवेदन

मैं/हम, कानून के अंतर्गत अधिकृत व्यक्ति, आपसे नीचे दिए गए अंतर्देशीय जलयानके आरंभिक/आवधिक/सूखी डॉकिंग/(लागू न होने वालों को काट दें) के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए आवेदन करते हैं।

जलयान का विवरण इस प्रकार है;

1. जलयान का नाम
2. जलयान की आधिकारिक संख्या
3. जलयान केपंजीकरण का बंदरगाह
4. टन भार (i) पंजीकृत
5. जलयान का प्रकार
(यात्री/यात्री-सह-कार्गो/कार्गो/टैंकर – प्रकार बताएं, आदि)
6. जलयान की श्रेणी
7. निर्माण का वर्ष
8. निर्माता का नाम और पता

9. पतवार का आयाम
10. पिछले सर्वेक्षण का स्थान और तारीख
11. मुख्य प्रणोदन मशीनों का प्रकार और बीएचपी
12. अन्य मशीनों का विवरण
13. स्वामी का नाम और पता टेलीफोन नंबर सहित
14. एजेंटों का नाम और पता टेलीफोन नंबर सहित
15. सर्वेक्षक के प्रस्तावित दौरे की तिथि एवं समय
16. प्रस्तावित सर्वेक्षण का स्थान

स्थान

स्वामी/मास्टर/अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख.....

संलग्नक::

1. सर्वेक्षण शुल्क और अन्य शुल्कों के भुगतान का प्रमाण
2. सर्वेक्षण के अंतिम प्रमाणपत्र की प्रति
3. पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति (यदि पहले से पंजीकृत है)
4. अधिकृत व्यक्ति के अधिकार की स्थापना करने वाला दस्तावेज (यदि वह अनुरोध कर रहा है)

प्रपत्र सं.2

सर्वेक्षक द्वारा जारी किया जाने वाला घोषणा पत्र सर्वेक्षण की घोषणा

संदर्भ सं. :

तारीख:

यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने अंतर्देशीय जलयान अधिनियम 2021 और लागू नियमों के अनुसार _____, आधिकारिक संख्या _____ नामक अंतर्देशीय जलयानका सर्वेक्षण किया है।

सर्वेक्षण के समय, जलयान और उसके उपकरणों की स्थिति ऐसी पाई गई, जैसा कि सर्वेक्षण की इस घोषणा के अनुलग्नक के रूप में संलग्न "जलयान उपकरण और जलयान सूचना के रिकॉर्ड" में वर्णित है।

जलयान के उपकरण और जलयान की जानकारी के रिकॉर्ड में निहित विवरण के साथ-साथ जलयान को चलाने वाले कर्मियों की संख्या और अर्हता के आधार पर, जलयान सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र में बताई गई सेवा के लिए उपयुक्त है, और उसमें बताए गए व्यापार/उद्देश्य के योग्य है।

सर्वेक्षण की यह घोषणा उपरोक्त घोषणा की तारीख से साठ दिनों तक वैध है।

सर्वेक्षक

संलग्नक: उपकरण और जलयान सूचना का रिकॉर्ड

अनुलग्नक - 1 से प्रपत्र संख्या: 2

उपकरण और जलयान सूचना का रिकॉर्ड

जलयान का नाम	जलयान का प्रकार	जलयान की श्रेणी	यात्रियों की संख्या	आधिकारिक संख्या

पतवार सामग्री	निर्माता का नाम	निर्माण का स्थान	निर्माण की तारीख	प्रणोदन के साधन	मुख्य इंजन की कुल बीएचपी	इंजन के निर्माण की तारीख

लंबाई	चौड़ाई	गहराई	जीआरटी	एनआरटी

अग्नि शामक मद	संख्या/प्रकार	स्थिति	स्थान
अग्निशमन योजना			
अग्नि शामक पंप (यांत्रिक)			
अग्नि शामक पंप (हाथ के लिए)			
वहन योग्य अग्नि शामक यंत्र			
स्थायी शमन प्रणाली			
आग बुझाने की बाल्टी			
रेत के बक्से			
हाईड्रेंट			
हौज, फिटिंग और नोजल			

उपकरण	संख्या/प्रकार	स्थिति	स्थान
लंगर			
लंगर केबल/चेन			
बिल्ज पंप			
विंच			
क्रेन			
डेरिक			

कर्षण उपकरण			
रस्सियाँ और तार			
कोलिशन मैट			
गैगवे			
बाड़ (फेंडर)			
नाव का हुक			
प्राथमिक चिकित्सा किट			
दूरबीन			
अपशिष्ट के लिए पात्र			
हीविंग लाइन			
कुल्हाड़ी			
मशाल (टार्च)			

नौपरिवहन उपकरण	संख्या/प्रकार	स्थिति	स्थान
नौपरिवहन प्रकाश			
ध्वनि संकेत			
आकार			
चुम्बकीय कम्पास			
श्रेणी बी एआईएस			
संचार उपकरण			
समुद्री प्रकाशन			

अधिकतम लदान स्थिति में विशिष्ट डेक और स्पेस पर यात्रियों का स्थान						
डेक/स्पेस						
यात्रियों की अधिकतमसंख्या						

फ्रीबोर्ड			
न्यूनतम फ्रीबोर्ड			
यात्रियों की संख्या			
माल (कार्गो) (टन में)_			

जीवन रक्षक उपकरण	संख्या	प्रकार/स्थिति	स्थान
जीवन रक्षक जैकेट			
जीवन रक्षक बेड़ा			
आरंभ करने की व्यवस्था			
प्लवनशील उपकरण			
जीवन रक्षक प्लव			
फ्लेयर्स - पैराशूट	लाइफबॉय		
फ्लेयर्स - हैंड-हेल्ड			
धुएँ के संकेत			
जीवन रक्षक बेड़े के उपकरण आपातकालीन संचार			

मशीनें/विद्युतीय	पॉवर बीएचपी	प्रकार/स्थिति	स्थान
मुख्य मशीनें			
मुख्य जनरेटर			
आपातकालीन जनरेटर			
मुख्य स्टीयरिंग गियर			
सहायक स्टीयरिंग गियर			
स्विचबोर्ड			
किनारे का संपर्क			
बैटरियां			
सिग्नल लाइट का स्विच			

आवास/सुरक्षा	स्थिति	टिप्पणी
बचाव के मार्ग		
शौचालय		
प्रसाधन		
लंबी नाव		
भोजनालय		
पानी की टंकी		
तापन/शीतन/वातायन		
बर्थ/लॉकर		
आवास तक पहुंच		
प्रकाश व्यवस्था		
मशीनरी गार्ड		
गार्ड रेल		
फिसलन रहित सतहें		
सीढ़ी/कंपेनियनवेज		
शोर विसंवाहन/सुरक्षा/सूचनाएं		
झाग (फोम) प्लवनशीलता सामग्री: घनत्व		

जारी किया गया: को:

(प्रमाणपत्र जारी करने वाले प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुहर)

प्रपत्र सं.3

सर्वेक्षण के अनंतिम प्रमाणपत्र के लिए आवेदन

प्रेषक

.....
.....
.....

सेवा में

प्रमाणीकरण प्राधिकारी

.....
.....

महोदय,

विषय: सर्वेक्षण के अनंतिम प्रमाणपत्र के लिए आवेदन

यह आधिकारिक संख्या XXXX युक्तजलयान के लिए सर्वेक्षण संदर्भ संख्या XXXXXX तारीख XX/XX/XXXX की घोषणा के संदर्भ में है।

यह अनुरोध किया जाता है कि सर्वेक्षण का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जारी किया जाए जो उस समय तक वैध रहे जब तक कि सर्वेक्षण का स्थायी प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता है।

भवदीय आपका,

हस्ताक्षर

स्वामी/मास्टर/अधिकृत व्यक्ति का नाम

प्रपत्र सं. 4

सर्वेक्षण का अनंतिम प्रमाणपत्र

श्रेणी क/श्रेणी ख/श्रेणी ग जलयान (जो लागू न हो उसे काट देने के लिए)

20... की तारीख को या उससे पहले समाप्त हो रहा है।

सर्वेक्षण संख्या _____ का अनंतिम प्रमाणपत्र, परिचालन का क्षेत्र _____

जारी करने की तिथि _____ समाप्ति की तिथि _____

सर्वेक्षण का यह अनंतिम प्रमाणपत्र नीचे उल्लिखित विस्तृत अंतर्देशीय जलयान के सर्वेक्षण के बाद जारी किया गया है।

जलयानका नाम _____ आधिकारिक संख्या _____

पंजीकरण का बंदरगाह _____ पंजीकरण संख्या का प्रमाणपत्र _____

सकल टन भार _____ पंजीकृत टन भार _____'

सौंपा गया फ्रीबोर्ड _____ मिमी, जलयानके किनारे पर अंकित लोडिंग अंक: हां/नहीं _____,

मास्टर का नाम _____

मास्टर का सीओसी ग्रेड _____ सं. _____ जारी किए जाने का स्थान _____

इंजीनियर/इंजन चालक का नाम _____

मास्टर का सीओसी ग्रेड _____ सं. _____ जारी किए जाने का स्थान _____

स्वामी या एजेंट का नाम और पता _____

सर्वेक्षण की तारीख _____ किए गए सर्वेक्षण का स्थान _____

परिचालन की सीमा (लागू अनुसार): -

अंतर्देशीय जल सीमा के भीतर ----- और निकटतम तट से _____ समुद्री मीलसे आगे नहीं बढ़ेगा।

कार्गो/यात्री क्षमता

अधिकतम अनुमेय कार्गो ढोने की क्षमता: _____ टन और/या _____ चालक दल के साथ _____ यात्री।

जलयान पर ले जाए जाने वाले सुरक्षा उपकरण:

नावों की संख्या आकार और घन क्षमता	उत्प्लावक उपकरण/लाइफ राफ्ट की संख्या	जीवन रक्षक प्लाव और जीवन रक्षक जैकेट की संख्या		अग्निशामक यंत्र			लंगरों की संख्या उनके वजन के साथ	लंबाई आकार	
		एलबी	एलजे	झाग प्रकार	सोडा एसिड	डी.सी.पी.		लंगरका तार	हौज

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त अंतर्देशीय जलयान के सर्वेक्षण और उसके संबंध में घोषणा के प्रसारण के संबंध में नियमों के उपबंधों का अनुपालन किया गया है।

चौथे अधिनियम 2021 की धारा 13(1) के उपबंधों के अंतर्गत जारी किया गया सर्वेक्षण का यह अंतिम प्रमाणपत्र केवल 20..... की ...तारीख तक ही प्रभावी रहेगा।

परीक्षित और पंजीकृत

मुख्य सर्वेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित

प्रपत्र सं.5

सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र - श्रेणी क जलयान

सर्वेक्षण संख्या का प्रमाणपत्र _____ परिचालन का क्षेत्र _____

जारी करने की तारीख _____ समाप्ति की तारीख _____

यह सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र नीचे दिए गए विस्तृत अंतर्देशीय जलयान के सर्वेक्षण के बाद जारी किया गया है।

जलयानका नाम _____ आधिकारिक संख्या _____

पंजीकरण का बंदरगाह _____ पंजीकरण संख्या का प्रमाणपत्र _____

सकल टन भार _____ पंजीकृत टन भार _____'

सौंपा गया फ्रीबोर्ड _____ मिमी, जलयानके किनारे पर अंकित लोडिंग अंक: हां/नहीं _____,

मास्टर का नाम _____

मास्टर का सीओसी ग्रेड _____ सं. _____ जारी किए जाने का स्थान _____

इंजीनियर/इंजन चालक का नाम _____

मास्टर का सीओसी ग्रेड _____ सं. _____ जारी किए जाने का स्थान _____

स्वामी या एजेंट का नाम और पता _____

किए गए सर्वेक्षण की तारीख _____ किए गए सर्वेक्षण का स्थान _____

परिचालन की सीमा (लागू अनुसार): -

अंतर्देशीय जल सीमा के भीतर -----

कार्गो/यात्री क्षमता

अधिकतम अनुमेय कार्गो ढोने की क्षमता: _____ टन और/या _____ चालक दल के साथ _____ यात्री।

जलयान पर ले जाए जाने वाले सुरक्षा उपकरण:

नावों की संख्या आकार और घन क्षमता	उत्प्लावक उपकरण/लाइफ राफ्ट की संख्या	जीवन रक्षक प्लाव और जीवन रक्षक जैकेट की संख्या		अग्निशामक यंत्र			लंगरों की संख्या उनके वजन के साथ	लंबाई आकार	
		एलबी	एलजे	झाग प्रकार	सोडा एसिड	डी.सी.पी.		लंगरका तार	हौज

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त अंतर्देशीय जलयान के सर्वेक्षण और उसके संबंध में घोषणा के प्रसारण के संबंध में नियमों के उपबंधों का अनुपालन किया गया है।

जब तक कि पहले रद्द या निरस्त न किया गया हो, यह प्रमाणपत्र, 20__ की _____ तारीख तक प्रभावी रहेगा।

परीक्षित और पंजीकृत

मुख्य सर्वेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त अंतर्देशीय जलयान के सर्वेक्षण और उसके संबंध में घोषणा के प्रसारण के संबंध में नियमों के उपबंधों का अनुपालन किया गया है।

जब तक कि पहले रद्द या निरस्त न किया गया हो, यह प्रमाणपत्र, 20___ की _____ तारीख तक प्रभावी रहेगा।

परीक्षित और पंजीकृत

मुख्य सर्वेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित

प्रपत्र सं.7

नए जलयानों या पहली बार सर्वेक्षण किए जाने वाले जलयानों के संबंध में प्रस्तुत किए जाने वाले विवरण

1. जलयान का नाम (यदि पहले से नाम है)/यार्ड सं. _____

2. स्वामी का नाम और पता

3. जलयान की लंबाई, चौड़ाई और गहराई

4. जलयान का प्रकार।

(यात्री, माल वाहक, माल-सह-यात्री वाहक, रासायनिक वाहक, तरल वाहक, टग, डंब बार्ज, आदि)

5. पतवार के विवरण

क) निर्माण का वर्ष

बी) निर्माता का नाम और पता

ग) निर्माता का प्रमाणपत्र

घ) पतवार की सामग्री

ङ) बल्कहेड्स की संख्या, उनका स्थान और मोटाई

च) पतवार चढ़ाने की सामग्री और मोटाई

छ) फ्रेम्स (सामग्री और मोटाई)

ज) फर्श (सामग्री और मोटाई)

6. इंजनों के प्रणोदन का विवरण

क) लगाए गए सेटों की संख्या और क्रमांक

ख) निर्माता का नाम और ब्रांड

ग) मॉडल संख्या

घ) निर्माण का वर्ष

ङ) प्रत्येक के एचपी के साथ इंजन का प्रकार

च) स्ट्रोक _____ सिलिंडर का व्यास _____

छ) प्रणोदन शाफ्ट और सामग्री का व्यास

ज) यंत्रों (गियर) का प्रकार और संख्या

ज) परीक्षण प्रमाणपत्र

7. उपकरण का विवरण

- क) लंगर-पोर्ट, स्टारबोर्ड (प्रत्येक का वजन और सामग्री)
- ख) लंगर-पुर्जे (स्पेयर) (प्रत्येक उपकरण का वजन और सामग्री)
- ग) श्रृंखला (चेन): आकार प्रकार और लंबाई और परीक्षण प्रमाणपत्र (पोर्ट)
- घ) श्रृंखला: आकार प्रकार और लंबाई और परीक्षण प्रमाणपत्र (स्टारबोर्ड)
- ङ) रस्सियाँ- आकार, सामग्री और रस्सियों की संख्या
- च) सर्च लाइट, संख्या, आकार और शक्ति
- छ) जीवन रक्षक प्लाव, स्व-प्रज्वलित रोशनी के साथ उत्प्लावक उपकरण, उत्प्लावक डोरी के साथ संख्या
- ज) नौपरिवहन प्रकाश का विवरण और प्रमाणपत्र, मुख्य मस्तूल, सहायक मस्तूल, बंदरगाह, स्टारबोर्ड, स्टेम, लंगर, जो कमांड के अधीन नहीं है
- झ) लंगर के लिए आकृतियाँ, जो कमांड आदि के अधीन नहीं हैं।
- ञ) ध्वनि संकेत: यांत्रिक या विद्युत

8. अग्नि शामक उपकरण का विवरण

- क) फायर पंपों की संख्या, आकार और क्षमता
- ख) आग के साधन, व्यास, सामग्री और हाइड्रेंट की संख्या
- ग) होजों की संख्या
- घ) नलिका (नोज़ल)
- (i) जेट प्रकार
- (ii) स्प्रे प्रकार
- (iii) जेट/स्प्रे प्रकार
- ङ) कोई अन्य उपकरण

9. विनिर्माताओं के विवरण और नाम के साथ पोर्टेबल अग्निशामक यंत्रों की संख्या

- क) सोडा एसिड
- ख) झाग (फोम)
- ग) सूखा पाउडर
- घ) कोई अन्य प्रकार

10. संचार उपकरणों के विवरण

11. नौपरिवहन उपकरण का विवरण

12. प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का विवरण

- क) दूषित जल उपचार और निपटान
- ख) ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण और निपटान
- ग) ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण

नामित प्राधिकारी द्वारा सत्यापन

सत्यापन अधिकारी का नाम और पदनाम _____

हस्ताक्षर की तारीख _____

लॉग बुक के लिए अनुलग्नक (यात्रियों का विवरण)						
जलयान का नाम:				आधिकारिक सं.		
क्रमांक	तारीख	यात्रा सं.	नाम एवं पता	फोटो पहचान दस्तावेज	फोटो पहचान दस्तावेज सं.	हस्ताक्षर

आधिकारिक लॉग रखने के संबंध में निर्देश।

1. प्रत्येक अंतर्देशीय जलयान में एक आधिकारिक लॉग निर्धारित प्रपत्र में रखा जाएगा।
2. आधिकारिक लॉग, मास्टर या मालिक के विवेक के अनुसार, सामान्य जलयान के लॉग से अलग या एकसाथ रखा जा सकता है ताकि सभी मामलों में आधिकारिक लॉग बुक में रिक्त स्थान को विधिवत भरा जा सके।
3. इस पुस्तिका को विधिवत रखने का महत्व, और सभी प्रविष्टियों को उचित समय पर और कठोरता से विधिवत रूप में तैयार करने का महत्व, बहुत अधिक सख्ती से स्वामी पर नहीं डाला जा सकता है। ऐसा करने की उपेक्षा करने से मास्टर भारी दंड के लिए उत्तरदायी होते हैं और उनके मालिकों को गंभीर क्षति होती है, जबकि उनके चालक दल के सदस्यों को अपनी सेवाओं का रिकॉर्ड प्राप्त करने में सक्षम नहीं होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ता है। यह उचित प्रविष्टियों की अनुपस्थिति के कारण जुर्माना या जब्ती को लागू होने से रोकेगा और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी।
4. आधिकारिक लॉग बुक में अधिनियम द्वारा आवश्यक प्रविष्टि उस घटना के बाद जितनी जल्दी हो सके करनी चाहिए, जिससे यह संबंधित है, और, यदि यह उस घटना के दिन नहीं की जाती है, तो घटना की तारीख और उसके संबंध में प्रविष्टि दर्शाने के लिए इसे प्रविष्टि और दिनांकित किया जाएगा।
5. आधिकारिक लॉग बुक में प्रत्येक प्रविष्टि पर मास्टर और अधिकारी या चालक दल के किसी अन्य सदस्य से भी हस्ताक्षर किए जाएंगे और
6. यदि यह चोट या मृत्यु की प्रविष्टि है, तो जलयान पर उपस्थित चिकित्सा अधिकारी, यदि कोई हो, के द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा, और यदि यह चालक दल के मृत सदस्य के देय वेतन या उसकी संपत्ति की प्रविष्टि है तो इस पर अधिकारी और मास्टर के अलावा चालक दल के कुछ सदस्य द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।
7. इन नियमों द्वारा निर्दिष्ट तरीके से आधिकारिक लॉग बुक में की गई प्रत्येक प्रविष्टि साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य होगी।
8. जब भी मास्टर का परिवर्तन होता है, तो यह देखने के लिए ध्यान दिया जाना चाहिए कि सौंपे गए दस्तावेज़ अद्यतित हैं।
9. प्रविष्टियां तारीख के क्रम में की जानी चाहिए, और कोई भी स्थान रिक्त नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
10. यदि आधिकारिक लॉग में कोई प्रविष्टि किसी भी तरह से चालक दल के किसी सदस्य से संबंधित है, तो आधिकारिक लॉग और सूची में व्यक्ति के नाम के सामने पृष्ठ संख्या दर्ज की जानी चाहिए।

आधिकारिक लॉग बुक में की जाने वाली प्रविष्टियां

1. यदि परित्याग के अधिनियम के अर्थ के भीतर या बिना छुट्टी के अनुपस्थिति या अनुशासन के विरुद्ध कोई अपराध किया जाता है या यदि कोई कदाचार का कार्य किया जाता है जिसके लिए अपराधी के समझौते के अनुसार जुर्माना लगना चाहिए और इसका उद्देश्य जुर्माना लागू करना है:

क) अपराधों या कृत्यों की प्रविष्टि आधिकारिक लॉग-बुक में की जाएगी और मास्टर और यह यांत्रिक रूप से चालित जलयान पर किसी भी क्षमता में नियोजित या लगे व्यक्तियों में से एक द्वारा हस्ताक्षरित होगी;

ख) अपराधी को प्रविष्टि की एक प्रति दी जाएगी और उसे स्पष्ट रूप से और श्रव्य रूप से पढ़ा जाएगा और उसके बाद वह इसका ऐसा उत्तर दे सकता है जिसे वह उचित समझता है;

ग) प्रविष्टि की एक प्रति के लिए एक विवरण प्रस्तुत किया जाएगा कि उक्त प्रविष्टि को इस तरह पढ़ा गया है और यदि अपराधी द्वारा कोई उत्तर दिया गया है, तो उसे भी इसी तरह दर्ज किया जाएगा और पूर्वोक्त तरीके से हस्ताक्षर किए जाएंगे;

घ) इसके बाद की किसी भी कानूनी कार्यवाही में इस खंड द्वारा आवश्यक प्रविष्टियां, यदि व्यावहारिक हो, प्रस्तुत या प्रमाणित की जाएंगी और इस तरह के प्रस्तुतिकरण या साक्ष्य के अभाव में, मामले की सुनवाई करने वाली अदालत अपने विवेक से अपराध या कदाचार के कार्य का प्रमाण प्राप्त करने से मना कर सकती है।

2. ऐसे प्रत्येक मामले में जब चालक दल को भोजन और/या पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ा हो।
3. ऐसे प्रत्येक मामले में जिसमें कर्मिंदल के किसी सदस्य को सेवा के उच्च ग्रेड में पदोन्नत किया जाता है, ऐसी पदोन्नति की तारीख के साथ ग्रेड और वेतन की दर जो चालक दल के सदस्य को प्राप्त होनी है।
4. बीमारी के मामलों में, रोगी की प्रगति और उपचार को दर्शाते हुए लगातार प्रविष्टियां (यदि संभव हो तो दैनिक)।
5. चालक दल के किसी भी सदस्य की ओर से नशे या दुराचार का हर मामला चाहे मास्टर मामले की जांच करना चाहता हो या नहीं।
6. हर महत्वपूर्ण दुर्घटना या जलयान या कार्गो को नुकसान की प्रविष्टि।
7. कानूनी न्यायाधिकरण द्वारा उसके दल के एक सदस्य की प्रत्येक दोषसिद्धि और दी गई सजा;
8. उसके दल के प्रत्येक सदस्य के काम की गुणवत्ता पर एक रिपोर्ट; या एक बयान कि मास्टर इस तरह गिरावट के अपने कारणों के एक बयान के साथ उस पर राय देने से मना करता है।
9. अपने दल के किसी सदस्य को होने वाली बीमारी, चोट या आघात के प्रत्येक मामले की प्रकृति और किए गए चिकित्सा उपचार (यदि कोई हो) के साथ;
10. बोर्ड पर होने वाली मृत्यु का प्रत्येक मामला और उसका कारण, साथ में ऐसे विवरण जो विहित किए जाएं;
10. जलयान पर होने वाली प्रत्येक मृत्यु का मामला और उसका कारण, साथ में ऐसे विवरण जो विहित किए जाएं;
11. शिशु के लिंग के साथ, जलयान पर होने वाला प्रत्येक जन्म की प्रविष्टि, माता-पिता के नाम और ऐसे अन्य विवरण के साथ जिन्हें निर्धारित किया जा सकता है;
12. चालक दल के ऐसे प्रत्येक सदस्य का नाम, जो मृत्यु के अलावा अन्य कारण से चालक दल का सदस्य नहीं रहता है, ऐसा होने के स्थान, समय, तरीके और कारण के साथ;
13. यात्रा के दौरान चालक दल के किसी भी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उसके वेतन और उससे की जाने वाली सभी कटौतियों की सकल राशि;

14. यात्रा के दौरान चालक दल के किसी भी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उसका धन या अन्य संपत्ति;
 15. कोई अन्य मामला जिसे आधिकारिक लॉग बुक में प्रविष्टि के लिए निर्दिष्ट किया जाए।

प्रपत्र सं. 9

सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र पर जलयान के नाम में परिवर्तन के लिए आवेदन

संदर्भ सं.:

तारीख:

प्रेषक

सेवा में,

अंतर्देशीय जलयानों के मुख्य सर्वेक्षक,

.....

महोदय,

विषय: सर्वेक्षण संख्या के प्रमाणपत्र पर जलयान के नाम का परिवर्तन:

मैं निवासी अंतर्देशीय जलयान (नाम)

..... आधिकारिक संख्या का स्वामी/मास्टर होने के नाते

..... एतद्वारा अनुरोध करता हूँ कि जलयान का नाम

.....(यहां नया नाम दर्ज करें) के रूप में बदला जा सकता है। नाम में परिवर्तन करने

के लिए सर्वेक्षण संख्या तारीख का मूल प्रमाणपत्र और पंजीकरण

प्रमाणपत्र की प्रति इसके साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर:

स्वामी/मास्टर का नाम

संलग्नक: उपरोक्त अनुसार

MINISTRY OF PORTS, SHIPPING AND WATERWAYS

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd February, 2022

G.S.R. 150(E).—The draft of the Inland Vessels [Survey and Certification] Rules 2022, which the Central Government proposes to make, in the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 106 of the Inland Vessels Act of 2021(24 of 2021), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after thirty days from the date on which the copies of this notification as published in the Official Gazette are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, to these draft rules may be sent to the Director (IWT), Ministry of Ports, Shipping & Waterways, Room No. 439, Transport Bhawan, 1-Parliament Street, New Delhi-110001, or by email at abhay.sarode@gov.in and uttam.mishra27@gov.in within the period specified above;

The objections or suggestions which may be received from any person concerning the said draft rules, within the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short Title Commencement

- (1) These Rules shall be called the Inland Vessels (Survey and Certification) Rules 2022.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in Official Gazette

2. Definitions

- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) Act means the Inland Vessels Act of 2021(24 of 2021);
 - (b) “inland vessel” means any mechanically propelled inland vessel as defined under section 3(y) of the Act.
- (2) “Existing vessel” or “existing inland vessel” means any inland vessel which is not any new inland vessel that falls within the ambit of the definition provided under of sub-rule (3) of Rule 3
- (3) “New inland vessel” means any inland vessel whose keel is laid or which is at a similar stage of construction on or after the date of coming into force of the rules.
- (4) “Major conversion or modification” means any of the following;
 - a) Change in Gross Tonnage of the vessel by more than ten percentum
 - b) Change of vessel type
 - c) Change of propulsion system/ main engines/ type of fuel
- (5) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Areas of Operation

- (1) The State Government may categorize inland water areas, based on the maximum significant wave height criteria, as Zone 1, Zone 2 and Zone 3, as stipulated below.
- (2) Vessels shall therefore be designed, constructed and maintained for service in the most onerous zone that it intends to operate in.
 - (i) Zone 1 means an area (other than Zone 2 or Zone 3) where the maximum significant wave height does not exceed 2.0 metres.
 - (ii) Zone 2 means an area (other than Zone 3) where the maximum significant wave height does not exceed 1.2 metres.
 - (iii) Zone 3 means an area where the maximum significant wave height does not exceed 0.6 metres.

4. Certificate of Survey

- (1) The formats of certificate of Survey and relevant forms, to be issued under the purview of the Act shall be as per Appendix I, to these Rules.
- (2) The certificate of survey shall specify that the inland vessel is fit for a particular Zone of operation.

(3) An inland mechanically propelled vessel shall not proceed on any voyage or be used for any service unless she has a valid certificate of survey for the type of service and for the zone intended for operation.

(4) The Certificate of Survey shall remain valid for a period of 5 years, subject to any conditions specified by the Designated Authority, including the completion of periodical surveys as specified in these Rules.

(5) The Designated Authority may allow a mechanically propelled vessel to proceed on a voyage during the interval between the date on which her certificate of survey expires and the earliest possible date of renewal.

5. Certification of compliance with design, construction, modification or alteration to be recorded.

(1) The designated authorities or authorised persons shall ensure that the inland vessels, which are governed by the Inland Vessels (Design and Construction) Rules 2022, are in compliance with the said Rules.

(2) Designated authorities or authorised persons shall ensure that the inland vessels, which are constructed and employed in the inland waters prior to the Act are in compliance with the laws and standards that were prevailing prior to the Act:

Provided that Designated authorities or authorised persons shall ensure that the existing vessels which have undergone major conversion or modification, comply with the Inland vessels (Design and Construction) Rules, 2022 as far as it is considered reasonable and practicable by the Designated Authority.

(3) Subject to sub-rule (1) and sub-rule (2) of the present Rule, the designated authority or authorised persons of respective State Government shall record the certification with regard to compliance of construction, design, modification or alteration, as the case may be; in the certificate of survey issued under the Act and in accordance with these Rules.

(4) A vessel may be surveyed by the surveyors of the Designated Authority of the State in which it is plying though it may be registered elsewhere.

6. Inland Vessels:

For the purpose of these rules, Inland vessels shall be classified as per the following categories: -

(1) The vessels which fall in Category A are decked vessels of any of the following types.

- (a) Vessels that are more than 24 metres in length
- (b) Vessels that carry more than 50 passengers on board.
- (c) All vessels equipped for tow, having a bollard pull capacity exceeding 10 t.
- (d) Vessels designed and constructed to carry petroleum goods, chemicals or liquefied gases bulk as cargo.
- (e) Vessels carrying dangerous goods as defined in the Act.

Category A vessels shall be designed, constructed and maintained under the survey and requirements of a classification society, who is a member of the International Association of Classification Societies

(2) Category 'B' vessels not covered under Category A or category C

Category B vessels shall be designed, constructed and maintained according to the survey of a classification society, which is a member of the International Association of Classification Societies (IACS)

Further designed and constructed under the survey the survey of classification society, which is a member of the International Association of Classification Societies and maintained under the survey of the Designated Authority

(4) Category 'C' vessels are of less than 10 metres in length.

Category C vessels shall be designed, constructed and maintained under the survey of a classification society, which is a member of the International Association of Classification Societies and standards prescribed for design, construction and survey considered appropriate by the Designated Authority and maintained under the survey of the Designated Authority

7. Action on Survey Recommendations

(1) When the Designated Authority determines that the condition of the vessel or its equipment does not correspond substantially with the particulars of the certificate or is such that the vessel is not fit to be put to service without danger to the vessel, or persons on board, it shall ensure that corrective action is taken.

(2) In the event as set forth in sub-rule (1), the Designated Authority may allow the vessel to be put into service depending on the nature of the defect or deficiency, provided that the corrective actions as prescribed during the survey are undertaken to be carried out by the owner or manager within a stipulated period.

8. Types of Survey

(1) The structure, machinery, life-saving appliances, radio installations, fire fighting and other equipment shall be subject to the surveys specified below:

- (a) an initial survey before the vessel is put in service
- (b) An annual survey within three months before or after each anniversary date of the Inland Vessel Certificate of Survey
- (c) A minimum of two inspections of the outside of the vessel's bottom carried out during the five year period of validity of the Inland Vessel Safety Certificate, provided the interval between any two such inspections shall not exceed thirty-six months.
- (d) a renewal survey at intervals not exceeding five years.
- (e) An additional survey, which is an inspection, either general or partial according to the circumstances, to be made after a repair resulting from investigations or whenever any important repairs or renewals are made.

(2) The Surveys referred in sub-rule (1) above shall include the following.

- (a) The structure, machinery and equipment other than those covered in clauses(b), (c) and (d) of this sub-rule;
- (b) The fire safety systems and appliances, life-saving appliances and arrangements, the vessel borne navigational equipment, means of embarkation for pilots if applicable, and other equipment;
- (c) The Safety equipment plans , nautical publications, lights, shapes, means of making sound signals and distress signals; and
- (d) The radio installations of the vessel.

9. Initial Survey:

(1) The initial survey shall include the following:

- (a) complete inspection, and tests where necessary, of the items referred in sub-rule (2) to Rule 9 to ensure that the arrangements, materials, scantling and workmanship of the structure, boilers, and other pressure vessels, their appurtenances, main and auxiliary machinery including steering gear and associated control systems, electrical installations and other equipment comply with relevant requirements, and in satisfactory condition and are fit for the service for which the vessel is intended.
- (b) verification of the following items:
 - i) Verification of the freeboard mark and draft marks on the vessel.
 - ii) Verification of the approved tonnage computation of the vessel.
 - iii) Verification of the approved Safety Equipment plan.
 - iv) Verification of the approved stability particulars and loading manual (if applicable) of the vessel.

(2) For existing vessels, the outside of the vessel's bottom shall be inspected within twelve months preceding the issuance of the Certificate of Survey under these Rules.

10. Annual Survey:

(1) The annual survey of the vessel shall include a general inspection of the items specified in sub-rule (2) to Rule 9 to confirm that they are in satisfactory condition and fit for the service for which the vessel is intended.

(2) During the annual survey Surveyor shall satisfy himself regarding the efficient condition of the following :

- (a) Hatchways on freeboard and superstructure decks, ventilator and air pipe coamings, exposed casings, skylights, deckhouses and companionways, superstructure bulkheads, side scuttles and deadlights, together with all closing appliances.
- (b) Means of ensuring weathertightness of steel hatch covers.
- (c) Scuppers and sanitary discharges with valves;
- (d) guard rails and bulwarks;
- (e) freeing ports, gangways and lifelines;
- (f) Freeboard marks;
- (g) General examination of machinery and steering gear;

- (h) Vent piping.
- (i) Fire fighting appliances
- (j) Life saving appliances

11. Intermediate Docking Survey between renewal surveys:

- (1) Vessels operating in sea ports and other vessels of 20 years of age and over are to be examined in drydock or slipway:

Provided that, Consideration may be given to acceptance of in water survey for vessels of less than 20 years of age and operating in sea ports.

Provided that, Consideration may also be given to waiver of this requirement for vessels of 20 years of age and over and not operating in seaports subject to satisfactory internal examination.

12. Renewal Survey:

- (1) The renewal survey shall consist of an inspection, with tests when necessary, of the structure, machinery and equipment mentioned in sub-rule (2) to Rule 9, to ensure that the requirements relevant to the Certificate of Survey are complied with and that they are in a satisfactory condition and are fit for the service for which the vessel is intended.
- (2) The renewal survey shall also consist of a check that all the certificates, record books, operating manuals and other instructions and documentation specified in the requirements relevant to the certificate of survey are on board the vessel.
- (3) For the purposes of renewal survey, the underwater parts are to be examined in a drydock or slipway as part of renewal survey.
- (4) Additionally, the propeller shaft shall be removed and inspected, and the surveyor shall be satisfied that the stern gear, including the propeller shaft, is in good working order and will continue to be in a serviceable condition for the five year period covered by the renewal survey.
- (5) In the case of other propulsion types, the surveyor shall assess whether maintenance or servicing is required, in any case the advice of the manufacturer shall be followed.
- (6) All passenger vessels are to be subjected to a Lightweight survey at renewal surveys to verify any changes in light displacement and longitudinal centre of gravity. The vessel is to be re-inclined whenever, in comparison with the approved stability information, a deviation from the light displacement exceeding 2 percent or a deviation from the longitudinal centre of gravity exceeding 1 percent of the length is found.

13. Additional surveys:

- (1) Whenever an accident occurs to a vessel or a defect is discovered which affects the safety or integrity of the vessel or the efficiency or completeness of its equipment, the master or owner should make a report at the earliest opportunity to the Designated Authority.
- (2) The Designated Authority, should then initiate an investigation to determine whether a survey, as required by the regulations applicable to the particular certificate, is necessary.
- (3) This additional survey, which may be general or partial according to the circumstances, should be such as to ensure that the repairs and any renewals have been effectively made and that the vessel and its equipment continue to be fit for the service for which the vessel is intended.

14. Maintenance of conditions after survey

The owner or master of every Inland vessel shall ensure that:

- (1) The condition of the vessel and its equipment is maintained to conform with the provisions of the Certificate of Survey to ensure that the vessel in all respects will remain fit to operate without danger to the vessel, persons on board or the environment;
- (2) After any survey of the vessel has been completed, no significant change shall be made in the structural arrangement, machinery, equipment and other items covered by the survey, without the approval of the Designated Authority or a recognised organisation acting on its behalf; and
- (3) Whenever an accident occurs to the vessel or a defect is discovered, either of which affects the safety of the vessel or the efficiency or completeness of its life-saving appliances or other equipment, a request be made immediately to the Designated Authority or a recognised organisation acting on its behalf for a survey, to be carried out.

15. Issue or endorsement of certificates

- (1) After an initial or renewal survey, the surveyor shall forthwith issue the applicant, a declaration in such form as prescribed in **Form 2**, specifying that of a vessel complies with the relevant requirements and provisions of these Rules, and the Act.
- (2) A certificate of Survey (refer Appendix-I) shall be issued by the State Government, or by the authority recognized by it, if satisfied that all the provisions of this Act have been complied with in respect of a declaration submitted under sub-rule (1) above, and upon receipt of payment of fee, as may be prescribed by the State Government
- (3) The certificate referred to in sub-rule (1) above shall be supplemented by a Record of Equipment and Vessel Information (refer Annexure 1 to Form 2) which shall be permanently attached thereto.
- (4) Notwithstanding sub-rule (2) above the surveyor who conducted the survey and issued the declaration specified in sub-rule (1) above, may grant a provisional certificate of survey based on an application on Form 3 , which shall be valid for a period not exceeding sixty days or, by endorsement, extend the validity of the prevailing certificate of survey, not exceeding sixty days.
- (5) Any mechanically propelled inland vessel, which has been issued with a provisional certificate of survey or endorsement, as described in sub-rule (4) above, may proceed on voyage or use in service, temporarily, pending the issue of the certificate of survey, in such manner and subject to the conditions as may be issued by the Designated Authority vide circulars, orders or directives from time to time.

16. Duration and validity of certificates

- (1) Certificate of Survey shall be issued for a period which shall not exceed Five years subject to endorsements being made for completion of annual.
- (2) When the renewal survey is completed within three months before the expiry date of the existing certificate, the new certificate shall be valid from the date of completion of renewal survey to a date not exceeding five years from the date of expiry of the existing certificate.
- (3) When the renewal survey is completed not more than three months after the expiry date of the existing certificate, the new certificate shall be valid from the date of completion of the renewal survey to a date not exceeding five years from the date of expiry of the existing certificate.
- (4) When the renewal survey is completed more than three months before or after the expiry date of the existing certificate, the new certificate shall be valid from the date of completion of the renewal survey to a date not exceeding five years from the date of completion of the renewal survey.
- (5) Where the renewal survey has been completed and new certificate cannot be issued or placed onboard the Inland vessel before the expiry date of the existing certificate, the Designated Authority or a recognized organization acting on its behalf shall endorse the existing certificate and such a certificate shall be accepted as valid for a further period which shall not exceed sixty days from the expiry date.
- (6) Where a vessel at the time when a certificate expires is not in a position to be surveyed, the Designated Authority may extend the period of validity of the certificate considering the circumstances, for a period not longer than 3 months.
- (7) In the case of exceptional circumstances due to non-availability of dry-docking facilities, the State Government may consider extension of certificates for a period not exceeding 6 months.
- (8) A certificate issued under sub-rule (5) above shall cease to be valid in any of the following cases:
 - (a) where the relevant surveys and inspections are not completed within the periods specified under these Rules; or
 - (b) where the certificate is not endorsed in accordance with the requirements of these Rules; or
 - (c) where the vessel is withdrawn from the Registry.

17. Form of certificates

The certificates and the record of equipment and information shall be drawn up in the form corresponding to the models given in the appendix to these Rules

18. Availability of certificates

The certificates issued under Rule 16 shall be readily available on board for examination at all times.

19. Term of certificates of survey

Any Certificate of Survey issued under the provisions of these Rules shall be subject to terms of certificate of survey contained in Chapter IV of the Act.

20. Change of name

- (1) Where a change of name of a vessel in respect of which a certificate of survey had been granted under the Act is required, the owner or master of the vessel shall forward the certificate of survey to the authority who issued the certificate along with an application for change of the name of the vessel entered in the certificate of survey.
- (2) Application provided under sub-rule (1) shall be in Form No.9 and shall contain the particulars required therein.
- (3) The designated authority or the authorised officer shall, after due enquiry by himself or through any other officer satisfy that the new name is not allotted to any other vessel and cause such change as is necessary to be effected in the certificate of survey, which shall thereupon be returned to the owner after due process of carving/marking of the changed name on vessel and upon due changes effected by the Registering Authority in Registration Certificate and Book of Registration.

21. Inland vessel State Inspection

- (1) Every vessel while in a port (inland port or major/minor coastal ports) within the jurisdiction of another State Government shall be subject to inspection by the designated authorities or officers duly authorized by such Government for the purpose of inspection to verify and ascertain that the certificates issued under these Rules, are valid. A vessel may also be surveyed by the officers of IWAI according to the Rules of IWAI when in National Waterways. Normally no such inspections by Ports or IWAI should be conducted within six months of the completion date of the last inspection.
- (2) Such certificates, if found valid, shall be accepted, unless there are clear grounds for believing that the condition of the vessel or of its equipment does not correspond substantially with the particulars of any of the certificates or that the vessel is not fit for service. .
- (3) In the circumstances specified in sub-rule (2) above or where a certificate has expired or ceased to be valid, the officer carrying out the inspection shall take steps to ensure that the vessel shall not leave the port unless it can proceed to the next port of call, or leave the port for the purpose of proceeding to an appropriate repair yard, without danger to the vessel or persons on board.

22. Official log book

- (1) The master and engineer/driver of the vessel shall keep an official log book in the form specified in these rules in Form No. 8 and shall make, or cause to be made, such entries in that log book as required.
- (2) An entry in an official log book shall be made by the Master, Engineer/Driver or officer in- charge of the inland vessel:
 - a) as soon as possible after the occurrence to which it relates; and
 - b) the date and time of the occurrence and the entry.
- (3) An entry in the official log book shall be made by the Master or the officer in-charge and counter signed by the Designated Authority carrying out any inspection of the vessel stating the outcome of the inspection and action taken if any.
- (4) Official log book shall be supplied by the Designated Authority on payment of prescribed fee.
- (5) Official log book is the property of the Port Authority and shall be maintained properly.
- (6) Official log book to be produced for verification at the time of annual survey of the vessel.
- (7) The officer carrying out the inspection shall make an entry in the 'Official log book'.

23. Qualifications for appointment as Surveyor:

A surveyor of inland vessels shall possess any of the following qualifications and experience:

- (a) Marine/ Mechanical/ Electrical Engineer/ Naval Architect in possession of minimum First/Second class Motor/Steam MOT Certificate issued by Director General of Shipping, Government of India or equivalent certificate recognized by Government of India and 5 years of experience after first certificate of competency either in sea going regular vessels / Classification Societies / Ship Building yards/reputed International Shipping Companies or State Port Department or State Maritime Board/ DG/MMD

- (b) Master Mariner (FG) with 2 years of sailing experience or experience in maritime training / marine survey after having obtained master's certificate issued by Director General of Shipping, Government of India or equivalent international certificate or
- (c) MEO Class III (NCV-CEO) Certificate or Master (NCV) certificate issued by [Director General of Shipping] with minimum 10 years of sailing experience of which at least 5 years experience in the capacity of Master/ Chief Engineer or
- (d) Inland Vessel Master Class I or Inland Engineer Certificate with a minimum of 15 years of service onboard inland vessels of which at least 5 years must be in the capacity of a Master / Chief Engineer or
- (e) a basic degree in Naval Architecture with 7 years experience either/or in sea going regular vessels / Classification Societies / Ship Building yards/reputed International Shipping Corporations or State Port Department or
- (f) Diploma in ship building with 15 years experience either/or in sea going regular vessels / Classification Societies / Ship Building yards/reputed International Shipping Corporations or State Port Department or

24. Qualifications for appointment as Chief Surveyor

(1) No person shall be appointed as Chief Surveyor unless he meets the qualifications and experience enumerated in any one of the following:

- a) possesses a degree or equivalent in Marine Engineering/Naval Architecture/ Mechanical/ Electrical Engineering and Ministry of Transport First Class certificate of competency issued by Director General of Shipping, Government of India or equivalent certificate recognized by Government of India or
- b) a basic degree in Naval Architecture with 10 years experience in sea going regular vessels / Classification Societies / Ship Building yards/reputed International Shipping Corporations or State Port Department or
- c) Diploma in ship building with 20 years experience in sea going regular vessels / Classification Societies / Ship Building yards/reputed International Shipping Corporations or State Port Department

[F. No. IWT-11011/91/2021-IWT]

SUNIL KUMAR SINGH, Adviser (Statistics)

Appendix -I

Forms

Form No. 1

Form of application for conducting survey of Inland Vessel

Date:

Place:

To

The Chief Surveyor/Surveying Authority

At Port

Application for (indicate type) Survey of Inland Vessel

I/We, the authorized persons under the law hereby apply to you to make necessary arrangement for the Initial/Periodical/Dry Docking/ (strike out the not applicable ones) of the Inland Vessel detailed below.

The particulars of the vessel are as under;

1. Name of vessel
2. Official no. of the vessel
3. Port of Registry of vessel
4. Tonnage (i) Registered
5. Type of the vessel

(Passenger/ Passenger-cum-cargo/ Cargo/ Tanker – state type, etc.)

6. Category of the Vessel
7. Year of Build
8. Name and address of Builder
9. Hull Dimensions
10. Place and date of last survey
11. Type & BHP of main propulsion Machinery
12. Details of other machineries
13. Owner's name and address with telephone no.
14. Agents name and address with telephone no.
15. Date and time of proposed visit of surveyor
16. Place of proposed Survey

Station

Signature of Owner/Master/Authorized Person

Date

Enclosures:

1. Proof of payment of Survey fee and other charges
2. Copy of last Certificate of Survey
3. Copy of Certificate of Registration (if already registered)
4. Document establishing the Authority of Authorized Person (if making request)

Form No. 2

Form of declaration to be issued by the Surveyor

Declaration of Survey

Ref. No. :

Dated:

This is to certify that I have surveyed the Inland Vessel named _____, Official No. _____, in accordance with the Inland Vessel Act 2021 and the applicable Rules.

During the survey, the condition of vessel and its equipment, was found, as detailed in the "Record of vessel Equipment and Vessel Information" attached as annexure to this Declaration of Survey

Based on the details contained in the Record of Vessel Equipment and Vessel Information together with the number and qualification of personnel manning the vessel, the vessel is fit for the service stated in the Certificate of Survey, and worthy of the trade/purpose stated therein.

This declaration of Survey is valid upto sixty days from the date of declaration mentioned above.

Surveyor

Enclosure: Record of Equipment and Vessel Information

Annexure – 1 to Form No. : 2
Record of Equipment and vessel Information

Name of Vessel	Type of Vessel	Category of Vessel	Number of Passengers	Official Number

Hull Material	Name of the Builder	Place of Build	Date of Build	Means of Propulsion	Total BHP of Main Engine	Date of Engine Manufacture

Length	Breadth	Depth	GRT	NRT

Fire fighting item	Number/Type	Condition	Location
Fire Fighting Plan			
Fire Pumps (Mech)			
Fire Pumps (Hand)			
Portable extinguishers			
Fixed extinguishing system			
Fire Buckets			
Sand Boxes			
Hydrants			
Hoses, fittings and nozzles			

Equipment	Number	Type/Condition	Location
Anchors			
Anchor cables/Chains			
Bilge pumps			
Winches			
Cranes			
Derricks			
Towing Equipment			
Ropes and Lines			
Collision mat			
Gangway			
Fenders			
Boat hook			
First Aid Kit			
Binoculars			

Waste Containers			
Heaving line			
Axe			
Torch			

Navigation Equipment	Number	Condition	Location
Navigation Lights			
Sound Signals			
Shapes			
Magnetic Compass			
Class B AIS			
Communication equipment			
Nautical publications			

Location of passengers on specific decks and spaces in maximum loaded condition						
Deck/Space						
Maximum number of Passengers						

Freeboard						
Minimum freeboard,						
Number of Passengers						
Cargo (tonnes)_						

Life-Saving Equipment	Number	Type/Condition	Location
Lifejackets			
Liferafts			
Launching arrangements			
Flotation Devices			
Lifebuoys			
Flares – Parachute			
Flares – Hand-held			
Smoke Signals			
Life raft equipment Emergency			

Communications			

Machinery/Electrical	Power BHP	Type/Condition	Location
Main Machinery			
Main Generator			
Emergency Generator			
Main Steering Gear			
Auxiliary Steering Gear			
Switchboard			
Shore Connection			
Batteries			
Signal Light Switches			

Accommodation/Safety	Condition	Comment
Escape routes		
Washrooms		
Toilets		
Galley		
Messroom		
Water tanks		
Heating/cooling/ventilation		
Berth/locker		
Access to accommodation		
Lighting		
Machinery guards		
Guard rails		
Non-slip surfaces		
Ladders/companionways		
Noise insulation/protection/notices		
Foam flotation material: Density		

Issued at: **on:**

(Signature of authorized official issuing the certificate)

(Seal of the issuing Authority)

Form No. 3**Application for Provisional certificate of survey**

From

.....

To

Certifying Authority

.....

Sir,

Subject: Application for Provisional certificate of Survey

This has reference to the Declaration of Survey Ref No. xxxxxx dated xx/xx/xxxx for the vessel with Official Number xxxxx.

It is requested that a Provisional Certificate of Survey be issued which is valid till such time a permanent Certificate of Survey is issued.

Yours faithfully,

Signature

Name of the Owner/Master/Authorized person

Form No. 4**Provisional Certificate of Survey****Category A/Category B/Category C Vessel** (to *strikeout* whichever is not applicable)*Expiry on or before the.....day of 20....*

Provisional Certificate of Survey No. _____ Zone of operation _____

Date of Issue _____ Date of Expiry _____

This Provisional Certificate of Survey has been issued subsequent to Survey carried out of the below detailed inland vessel.

Name of the Vessel _____ Official No. _____

Port of Registry _____ Certificate of Registry No. _____

Gross Tonnage _____ Registered Tonnage _____

Freeboard Assigned _____ mm, Loading marks placed on the vessel's side: Yes/No _____,

Name of the Master _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name of the Engineer/Engine Driver _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name and Address of Owner or Agent _____

Date of Survey carried out _____ Place of survey carried out _____

PLYING LIMITS (as applicable): -

Within inland waters limits of ----- and not extending beyond ____ N.M. from the nearest shore.

CARGO/PASSENGER CAPACITY

Maximum permissible cargo carriage capacity: _____ tonnes and /or _____ Passengers with _____ crew.

Safety equipment carried on the vessel:

No. of boats size & cubic capacity	No. of buoyant apparatus/ Life rafts	No. of lifebuoys and lifejackets		Fire extinguishers			No. of anchors with their weight	Length size	
		LB	L J	Foam type	Soda acid	D.C.P.		Anchor cable	Hose

THIS IS TO CERTIFY that the provisions of the Rules with respect to the survey of the above mentioned Inland Vessel and the Transmission of declaration in respect thereof, have been complied with.

This Provisional Certificate of Survey, issued under the provisions of Section 13(1) of the IV Act 2021 continues to be in force only until the.....day of 20....

Examined and Registered

Signed by Chief Surveyor

Form No. 5**Certificate of Survey - Category A Vessel**Certificate of Survey No. _____ **Zone of operation** _____

Date of Issue _____ Date of Expiry _____

This is Certificate of Survey has been issued subsequent to Survey carried out of the below detailed inland vessel.

Name of the Vessel _____ Official No. _____

Port of Registry _____ Certificate of Registry No. _____

Gross Tonnage _____ Registered Tonnage _____

Freeboard Assigned _____ mm, Loading marks placed on the vessel's side: Yes/No _____,

Name of the Master _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name of the Engineer/Engine Driver _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name and Address of Owner or Agent _____

Date of Survey carried out _____ Place of survey carried out _____

PLYING LIMITS (as applicable): -

Within inland waters limits of -----

CARGO/PASSENGER CAPACITY

Maximum permissible cargo carriage capacity: _____ tonnes and /or _____ Passengers with _____ crew.

Safety equipment carried on the vessel:

No. of boats size & cubic capacity	No. of buoyant apparatus/ Life rafts	No. of lifebuoys and lifejackets		Fire extinguishers			No. of anchors with their weight	Length size	
		LB	L J	Foam type	Soda acid	D.C.P.		Anchor cable	Hose

THIS IS TO CERTIFY that the provisions of the Rules with respect to the survey of the above mentioned Inland Vessel and the Transmission of declaration in respect thereof, have been complied with.

THIS CERTIFICATE, unless previously cancelled or revoked, to be in force until the ____ day of ____ 20 ____.

Examined and Registered

Signed by Chief Surveyor

Form No. 6

Certificate of Survey – Category B/ Category C Vessel

Category of Vessel :

Certificate of Survey No. _____ **Zone of operation:** _____

Date of Issue _____ Date of Expiry _____

This is Certificate of Survey has been issued subsequent to Survey carried out of the below detailed inland vessel.

Name of the Vessel _____ Official No. _____

Port of Registry _____ Certificate of Registry No. _____

Gross Tonnage _____ Registered Tonnage _____

Freeboard Assigned _____ mm, Loading marks placed on the vessel's side: Yes/No, ____

Name of the Master _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name of the Engineer/Engine Driver _____

Master's COC Grade _____ No. _____ Place of Issue _____

Name and Address of Owner or Agent _____

Date of Survey carried out _____ Place of survey carried out _____

PLYING LIMITS (as applicable): -

Within inland waters limits of _____

CARGO/PASSENGER CAPACITY

Maximum permissible cargo carriage capacity: _____ tonnes and /or _____ Passengers with _____ crew.

Safety equipment carried on the vessel:

No. of boats size & cubic capacity	No. of buoyant apparatus/ Life rafts	No. of lifebuoys and lifejackets		Fire extinguishers			No. of anchors with their weight	Length size	
		LB	L J	Foam type	Soda acid	D.C.P.		Anchor cable	Hose

THIS IS TO CERTIFY that the provisions of the Rules with respect to the survey of the above mentioned Inland Vessel and the Transmission of declaration in respect thereof, have been complied with.

THIS CERTIFICATE, unless previously cancelled or revoked, to be in force until the _____ day of _____ 20____.

Examined and Registered

Signed by Chief Surveyor

FORM No. 7**Particulars to be furnished for Survey of New Vessel or Vessels which are to be surveyed for the first time**

1. Name of vessel (if already named)/Yard No. _____
2. Owner's name and address
3. Length, breadth and depth of vessel
4. Type of Vessel.
(Passenger, cargo, cargo-cum-passenger, Chemical Carrier, Liquid Carrier, Tug, Dumb barge, etc)
5. Particulars of hull
 - a) Year of built
 - b) Builders name and address
 - c) Builders certificate
 - d) Material of the hull
 - e) Number of Bulk heads, their placement and thickness
 - f) Hull plating material and thickness
 - g) Frames (material and thickness)
 - h) Floors (material and thickness)
6. Particulars of propulsion of Engines
 - a) Number of sets fitted and Sr. No.
 - b) Manufacturer's name and brand
 - c) Model Number
 - d) Year of built
 - e) Type of Engine with HP of each

-
- f) Stroke _____ Cylinder diameter _____
 - g) Diameter of propulsion shaft and material
 - g) Type and Number of gears
 - h) Test certificate
7. Particulars of equipment
- a) Anchor-Port, Starboard (weight & Material of each)
 - b) Anchor-Spare (weight & material of each equipment)
 - c) Chain: size type and length and test certificate (Port)
 - d) Chain: size type and length and test certificate (Starboard)
 - e) Ropes-size, material and number of ropes
 - f) Search Lights, number, size and power
 - g) Life buoys, Buoyant apparatus with Self Ignited lights, Number with buoyant lanyard
 - h) Navigation Lights giving particulars and certificate, main mast, auxiliary mast, port, Starboard, Stem, Anchor not under command
 - i) Shapes for anchor not under command etc.
 - j) Sound signals: Mechanical or Electrical
8. Particulars of fire appliance
- a) Number, size and capacity of fire pumps
 - b) Fire mains, diameter, material and number of hydrants
 - c) Number of hoses
 - d) Nozzles
 - (i) Jet type
 - (ii) Spray type
 - (iii) Jet/Spray type
 - e) Any other equipment
9. Number of portable fire extinguisher with particulars and name of manufactures
- a) Soda Acid
 - b) Foam
 - c) Dry Powder
 - d) Any other types
10. Particulars of communication equipment
11. Particulars of navigation equipment
12. Particulars of pollution control devices
- a) Sewage treatment and disposal
 - b) Solid waste processing and disposal
 - c) Sound Pollution Control
 - d) Water consumption/day
 - e) Source of water
13. No. of deck crew ----- No. of engine crew -----
14. Number of passengers
15. Plans, Drawings, Etc.:

Form No. 8														
OFFICIAL LOG BOOK														
for														
AN INLAND MECHANICALLY PROPELLED VESSEL														
Name of vessel	Official No.	Port of Registry	Survey certificate valid upto	Place where vessel will be found generally stationed	Tonnage		Name of Master							
							CoC No. & Date							
					Gross	Net	Issued by							
							Signature of Master							
								Name & designation of crew : -						
Date	Sr. No./ Trip No.	Name of the loading/ embarking point	Departure of loading/embarking point (If passenger vessel, attached/maintained list of passengers as per Annexure)				Arrival at unloading or disembarking point / Name of Mother vessel			Departure from unloading/ disembarking point		Arrival at stationed point		Remarks
			Description	Quantity	Date	Time	Name of place/vessel	Date	Time	Date	Time	Date	Time	

Verification by Designated Authority

Name & Designation of verifying officer _____

Signature & Date _____

ANNEXURE FOR LOG BOOK									
(Details of passengers)									
Vessel Name:						Official No.			
Sr. No.	Date	Trip No.	Name & Address			Photo Identification document	Photo Identification document no	Signature	

DIRECTIONS AS TO KEEPING OFFICIAL LOGS

1. An official log shall be kept in the prescribed form in every Inland Vessel.
2. The official log may, at the discretion of the master or owner, be kept distinct from or united with the ordinary ship's log so that in all cases the spaces in the official log book be duly filled up.
3. The importance of keeping this book properly, and duly making all the entries at the proper time, and with the strictest regard to form, cannot be too strongly impressed on masters. By neglecting to do so masters render themselves liable to heavy penalties, and their owners to serious loss whilst members of their crew will suffer inconvenience from not being able to obtain records of their services. The absence of proper entries will also prevent fines or forfeitures from being enforced and will tend to prevent the maintenance of discipline.

4. An entry required by the Act in the official log book shall be made as soon as possible after the occurrence to which it relates, and, if not made on the same day as that occurrence, shall be made and dated so as to show the date of the occurrence and of the entry respecting it.
5. Every entry in the official log book shall be signed by the master and by the officer or some other member of the crew and also
6. If it is an entry of injury or death, shall be signed by the medical officer on board, if any, and if it is an entry of wages due to or the property of a crew member who dies, shall be signed by the officer and by some member of the crew besides the master.
7. Every entry made in an official log book in the manner provided by these rules shall be admissible in evidence.
8. Care must be taken whenever there is a change of master to see that documents handed over are up-to-date.
9. Entries must be made in order of date, and no blanks should be left.
10. If any entry in the Official Log relates in any way to a member of the crew the page number is to be entered against the man's name in the Official Log and Index.

Entries required to be made in official log books

1. If any offence within the meaning of the Act of desertion or absence without leave or against discipline is committed or if any act of misconduct is committed for which the offender's agreement imposes fine and it is intended to enforce the fine:
 - a) an entry of the offences or acts shall be made in the official log-book and signed by the master and one of the persons employed or engaged in any capacity on board of the mechanically propelled vessel;
 - b) the offender shall be furnished with a copy of the entry and have the same read over distinctly and audibly to him and may there upon make such reply there to as he thinks fit;
 - c) a statement to a copy of the entry having been so furnished and entry having been so read over and the reply, if any made by the offender shall likewise be entered and signed in the manner aforesaid;
 - d) in any subsequent legal proceedings the entries by this section required shall, if practicable, be produced or proved, and in default of such production or proof, the court hearing the case may in its discretion refuse to receive evidence of the offence or act of misconduct.
2. Every case in which the crew has faced shortage of food and/or drinking water.
3. Every case in which a member of the crew is promoted to a higher grade of service with the date of such promotion, the grade and the rate of wages which the crew member is to receive.
4. in cases of illness, frequent entries (daily if possible) showing the progress and treatment of patient.
5. Every case of drunkenness or misconduct on the part of any member of crew whether the Master wishes the case to be investigated or not.
6. Every important accident or damage to ship or cargo.
7. Every conviction by a legal tribunal of a member of his crew and the punishment inflicted;
8. a report on the quality of work of each member of his crew; or a statement that the master declines to give an opinion thereon with a statement of his reasons for so declining.
9. Every case of illness, hurt or injury happening to a member of his crew with the nature thereof and the medical treatment adopted (if any);
10. Every case of death happening onboard and the cause thereof, together with such particulars as may be prescribed;
11. Every birth happening on board, with the sex of the infant, the names of the parents and such other particulars as may be prescribed;
12. The name of every crew member who ceases to be a member of the crew otherwise than by death, with the place, time, manner and cause thereof;
13. The wages due to any crew member who dies during the voyage and the gross amount of all deductions to be made there from;
14. The money or other property taken over of any crew member who dies during the voyage;
15. Any other matter which is to be prescribed for entry in the official logbook.

FORM No. 9**Application for Change of Name of the Vessel on Certificate of Survey**

Ref. No.:

Dated:

From

To,

The Chief Survey or of Inland Vessels,

.....

Sir,

Sub: Change of name of the vessel on Certificate of Survey No.:
 I..... R/O being the owner/master of
 Inland Vessel(name) bearing Official No. hereby
 request that the name of the vessel may be changed as (here enter the
 new name). The certificate of survey No..... dated in original and copy of
 Certificate of Registration are enclosed herewith for making the change of name.

Signature

Name of owner/ master

Enclosures: as stated above.